अध्याय 9

विविधता केर धुन सब

भारतीय सङ्गीत के चित्र यवनिका के अन्वेषण

0680CH09

उद्ध्येश्य -भारतीय सङ्गीत के विभिन्न शैली के गीत कें सुनब आ सीखब.

एकटा मणिपुरी सङ्गीत सीखू

हाँ उरित नापान्घी

भाषा -मणिपुरी

हा उरीतत नपन्घवी, नमाना कोउवी तदाबी
नपाना कोउवी कुम्भदाबी
या होइ होइ या होइ होइ या या ता होइ होइ
उरित नङ्गबी कुहुनु चाइजोन
नपनघी फोउका अएम्बा या होइ होइ या होइ होइ
या या ताहोइ होइ

अर्थ

उरित चिड़ै अपन मायिक पुकार आ पिताक पुकार नहि सुनलक। अहाँ अपना हाथसँ ताली बजाउ आ चिड़ैकेँ बजाउ। लाल रङ्गक चिड़ै अछि **उरीत,**

कबूतरी जकाँ होइत अछि। जकर पेट पैघ रहैत अछि आ बहुत ऊँच उड़ैत अछि। अपना हाथसँ थपड़ी बजाउ आ चिड़ै के बजाउ।

शिक्षकसभक लेल नोट : हम अलग-अलग गीतक किछु गीत सुझाओने छी

भारतक क्षेत्र। हम शिक्षकसभसँ अनुरोध करैत छी जे ओ एहि सूचीसँ कमसँ कम पाँचटा गीत पढ़ाउ। आहाँ क्षेत्रीय गीत सेहो सिखा सकैत छी जे आहाँकेँ लगैत अछि जे बच्चासभकेँ सीखबामे मजा आओत।

© NCERT not to be republished

आउ न, केरल केर एकटा नाव गीत वञ्चिपट्टु सीखू

एकटा वंचिपट्टू सीखू। वंचिपट्टू पारम्परिक नाव दौड़सँ जुड़ल अछि, विशेष रूपसँ केरलक अप्रवाही जलमे होबयवला प्रसिद्ध सर्प नाव दौड़। ई नाव दौड़ राज्यक सांस्कृतिक उत्सवक अभिन्न अंग अछि। एकर सङ्ग जीवंत आ लयबद्ध नाव गीत सेहो होइत अछि।.

केरलक सांप नाव दौड़

कुट्टनादन पुनजाइएले

भाषा: मलयालम

कुट्टानन्दन पुनजाइयले, कोचु पेने कुइलाले
कोट्टू वेनम कुजाल वेनम, कुरावा वेनम
गुट्टानाथन पुंजइयाइले, थिथाई थाका थेई थेई थोम
कोचुपेन कुयिलाले, थिती थारा थेइ थोम
कोट्टू वेनम कुझल वेनम, कुरवा वेनम
(ओं ... ठिठिट्टा ठिठइ ठिठइ ठिठाई ठिठाई ठट्टा
थेई थोम) × 4
हमरा झंडा नहि चाही, हम झंडा नहि चाहैत छी
हम सभ विजयश्री लाली तराई आबि रहल छी।
(ओ... तिथिथारा तिथिथाई तित्तई तितै टका
थेई थोम) × 4
करुथा सिराक्कू वाचू ठिठाई ठक्का देइ देइ थोम
थिडिथारा थेइ थोम चिड़ै जकाँ
कारी पंख बला चिड़ै जकाँ
दौड़ैत घोड़ा जकाँ
(ओ... तिथिथारा तिथिथाई तित्तई तितै टका
थेई थेई थोम) × 4

अर्थ: ई गीत केरलक कुट्टनाड क्षेत्रक सौन्दर्यकेँ चित्रित करैत अछि, आ ई प्राकृतिक परिवेशकेँ गयबाक आ आनन्द लेबाक इच्छा व्यक्त करैत अछि।.

© NCERT not to be republished

आहाँके बझल अछि की

एकटा उत्कृष्ट सङ्गीतकारक जन्म वर्ष 1926 मे असमक सदियामे भेल छल जकर नाम भूपेन हजारिका छल। ओ एकटा पार्श्व गायक, गीतकार, सङ्गीतकार, कवि, अभिनेता, कलाकार, सम्पादक, फिल्म निर्माता आ शिक्षाविद् छलाह जे व्यापक रूपसँ सुधा कोंथोक नामसँ जानल जाइत छलाह। ओ सङ्गीतक उपयोग 'सामाजिक परिवर्तनक साधन'क रूपमे कएलनि आ प्रेरणादायक गीतक रचना कएलनि। ओ भारत रत्न, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार आ सङ्गीत नाटक अकादमी सहित कतेको राष्ट्रीय पुरस्कारक प्राप्तकर्ता छथि।.

पूर्वोत्तरमे असममे ई मातिरे मोरो मोटे सन धुन अछि।.

आउ हम गीत सीखैत छी। भाषा: असमिया

ई माटिरे मोरो कुल माटि सुमिलो
ई जीवनक चित्र अछि।
फिगर कएल मोसिलो

दूर अखाड़ रहन
किएकि एकरा होएबाक जरूरत अछि
हागर तालिर क माणिक
किएकि एकरा होएबाक जरूरत अछि
आन्हा आन्हा
जमीन के छाती मे मन के मालती बूटलन

मनोर करणी

आइ हूर के पापा के सङ्ग
हुदायर थपना हजवा हुदायन के हुदीन
नोटनक दृष्टि बूंद

भावार्थ : गायक पृथ्वीक प्रति सिनेह व्यक्त करैत छथि आ आकाशक रङ्ग वा समुद्रक मोतीक बदला ओहि पर आनन्द प्राप्त करबाक चर्चा करैत छथि।

गायककेँ लगैत अछि जे प्रकृतिक सभ पहलू जेना सूर्यक प्रकाश वा जंगल आदि पृथ्वी पर अछि आ अत्यंत मूल्यवान अछि।

चलू पश्चिम मे गुजरातक भूमि पर जाउ आ गीत सीखू, पोताना जे दरिया मा ,

भाषा: गुजराती

हमरा बताउ खलासी, ओ के छथि जे आहाँक अपन समुद्रमे डूबलासँ पैघ छलांग लगा सकैत छथि?
हमरा ओकर हथेली के ठेकाना दिअ।
हमरा बताउ ओ खलासी के छथि?
गोटी लो, तमे गोटी लो गोटी लो

© NCERT not to be republished

अर्थ: गीतमे रूपक रूपसँ जीवनकेँ समुद्रक यात्राक रूपमे वर्णित कयल गेल अछि। नाव चालक कोनो एहन व्यक्तिक प्रतीक अछि जे दिशा आ उद्देश्य प्रदान करैत अछि, जखन कि मोती एहि अनुभवक माध्यमसँ प्राप्त बहुमूल्य क्षण वा खजानाक प्रतिनिधित्व करैत अछि।

गुजरात सँ गरबा सीखू

गरबा सङ्गीतक एकटा पारम्परिक रूप आ लोक नृत्यक नाम अछि जे प्रायः नवरात्रिक पाबनिमे कयल जाइत अछि। पारम्परिक ताल वाद्ययन्त्र जेना ढोल, तबला, ढोलक, आ मधुर वाद्ययन्त्र जेना हारमोनियम आ बाँसुरी एहि रूपसँ बजाओल जाइत अछि। शरीरक ताल जेना थोपड़ी बजाएब, ठोकर मारब आ डंडियाक लाठीसँ दोहनसँ बेसी लयबद्ध परत जुड़ि जाइत अछि। मधुर स्वरूप आनन्द आ उत्सवक भावना उत्पन्न करैत अछि। नर्तकी भगवान कृष्ण (कनुदा) लेल अपन प्रेमक विषयमे गाबि रहल छथि।

***आहाँ क बांकी* रे**

तारी बंकी रे पघल्दी नु फांतुरी माने, घंतुरी ऑटो कौनसुरे कनुदा थाने अंतु तारी पगनु रे पगरखु चां पंतु री माने, गंथू री ऑटो कौनुरे कनुडा थाने अंतु अंतु अंतु

फँतुरी माने, गंथु री ऑटो कौनचुरे कनुडा थाने अंतु तारी बंकी रे पघलदी नु फांतुरी माने, गंथु री ऑटो कौनुरे कनुडा तने अंतु अंतु

© NCERT not to be republished

थाविल

चेन्डा

आउ एकटा तमिल गीत सीखू

अथिंथोम

एडिन्थम तिन्तियुम थोमदना तिन्ताधि तिन्थोम
तकातिन्थोम तिन्तियुम थोमदाना तिन्ताधि तिन्थोम

आदथ जव्वधु मनम आदिदुम बोम्मी
भगवानक सङ्गीत सुनू
हमर गीत हमरा हृदय मे आबि गेल अछि
ओ स्थान जतय ओ नहि गबैत छथि ओ अछि एंगडी बोमी

हम मुक्कन्नन मुथागा द्वारा देल गेल गीत पढ़ैत छी
हम मुक्कन्नन मुथागा द्वारा देल गेल गीत पढ़ैत छी
हमरा एहि गीतमे दस लाख दिल छल
एडिन्थम तिन्तियुम थोमदना तिन्ताधि तिन्थोम
तकातिन्थोम तिन्तियुम थोमदाना तिन्ताधि तिन्थोम

अर्थ: ई गीत गायनक आनन्दक अन्वेषण करैत अछि। गीतमे लयबद्ध तत्व अछि जे एकरा आकर्षक बनबैत अछि।

कन्नड़ गीत

चेलुवैया

चेलुवैया चेलुवो थानी तण्डनाना चिन्मय रूपु कोलन्ना कोलन्ना कोले चेलुवैया चेलुवो तानी तण्डन चिन्मय रूपु कोलन्ना कोले
एकरा देखू, चित्रदुर्ग किला देखू, ऊपर चढ़ि हमर गृहनगर देखू।

चेलुवैया चेलुवो थानी तण्डनाना चिन्मय रूपु कोलन्ना कोलन्ना कोले चेलुवैया चेलुवो तानी तण्डन चिन्मय रूपु कोलन्ना कोले

अर्थ: ई कर्नाटकक सुन्दरताक उत्सव मनयवला एकटा आनन्दमय लोकगीत अछि। ई गीत आहाँकेँ नृत्य करबाक लेल आमन्त्रित करैत अछि आ कर्नाटकक भव्य चित्रदुर्ग किला सहित चारूकातक चीजक सुन्दरता देखबाक लेल आमंत्रित करैत अछि।

हमर देशक प्रत्येक क्षेत्रक विभिन्न तरहक गीतक विषयमे सीखैत काल आहाँकेँ एहि अध्यायक 'विविधताक धुन'क शीर्षकक प्रासङ्गिकता अवश्य अनुभव भेल होयत।

© NCERT not to be republished

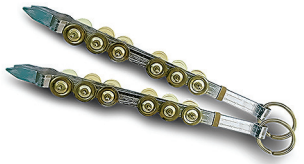

चिम्टा

ओ जींद माहे बाजार भाषा पंजाबी

आ जींद माही बाजारे..

ओ जिन्द मही बजरे कुमलियां वे तेरियन लड़लियां...

ओ सभ टेरियन लाडलियन परजइयान पर कठोर अछि।

फेर शर्त नहि लगाउ?

(उम्मा... उम्मा... उमा... उम्मा... उम्मा... उम्मा... उम) × 2

चलू एक क्षण बेही के

के एक पल बेही जाना मेरे मखना वे तेरे बाजू ओये

ओ सभ . वेद सखना के एक क्षण के लेल आहाँ के बगल मे जाएब।

Pungi

हमरा कॉल करए लेल एक क्षण चलैत छी...

(उम्मा... उम्मा... उमा... उम्मा... उम्मा... उम्मा... उम) × 2

अर्थ: ई गीत प्रेम, आ प्रियजनक वापसी आ एक सङ्ग बितायल *प्रिय क्षणक लेल तड़पकेँ व्यक्त करैत अछि।*

ओ जींद माहे बाजार भाषा मराठी

क्षत्रिय कुलवतंस सिंहसानदेश्वर

श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की जय आर आले रे आले रे (आले आले रे)

आर मराठे आले रे (आर मराठे आले रे) शान किंग्स (शान किंग्स) के सङ्ग

घेउन)

आवत रानी निगले रे (जय भवानी) आर तूफान पेटल (तूफान पेटल)

अन गनिम खेतल (गानिम खेतल) तार येकस नव हे

हमर शिवबाच लेलक (हमर शिवबाच लेलक)

साँस मे राजा आ जुनून मे राजा घाव मे राजा आ जीवन मे भाई मे राजा राजा आर मृत्यु मे राजा छथि ... शिवबा आरआर...

भावार्थ : ई गीत छत्रपति शिवाजी महाराजक वंश, शौर्य आ उपलब्धिक प्रशंसा करैत हुनका श्रद्धांजलि अर्पित करैत अछि। ओ लोकनि हुनक नेतृत्व आ साहसक प्रति श्रद्धा आ प्रशंसा व्यक्त करैत छथि।

© NCERT not to be republished

आहाँके बूझल अछि की

भारतीय सङ्गीत समाजक परम्परा आ प्रथासभसँ बहुत आकर्षित भेल अछि। भक्ति वा भक्ति, भारतीय सङ्गीत अभिव्यक्तिमे प्राथमिक आकृतिक रूपमे ठाढ़ अछि। कीर्तन, शबद, भजन आ कव्वाली सङ्गीतक एहि भक्ति पहलूक उदाहरण दैत अछि।

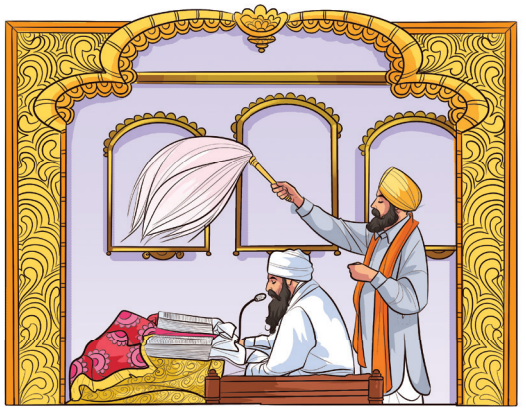

दिव्य के भक्ति मार्ग

दिव्य बच्चाक भक्ति पथ लोकसभकेँ अलग-अलग पूजा करैत आ गबैत देखल होयतभक्ति रचनाक प्रकार। आउ ओहिमे सँकिछु सीखैत छी।

कीर्तन

भारत रत्न भीमसेन जोशी

भाषा: मराठी द्वारा सङ्ग

जो का रंजले तयासी हों जो आपुले
खिलौना साधु ओड खाए के प्रेम के जानबा लेल
हमरा तुकामा सँकहू जे भगवानक कतेक मूर्ति अछि

अर्थ: संत तुकारामक ई रचना अभंग कीर्तनक रूपमे कयल जाइत अछि। ई गीत सन्देश दैत अछि, "एकटा सच्चा मनुष्यकेँ ओहि व्यक्तिक रूपमे चिन्हू जे दोसरक कष्ट आ पीड़ासँ गहराई सँ अनुभव करैत अछि आ सहानुभूति रखैत अछि। भगवान एहन दयालु व्यक्तिक हृदयमे रहैत छथि।"

शबद

नानक, चिंता नहि करू, चिंता अछि टीआईएस!
जल मेह जंत उपइयाँ, टीना भी रोजी दे!
नानक, चिंता नहि करू, चिंता अछि टीआईएस!
उठू नहि, दौड़ू नहि!
हम नहाबए जा रहल छी, हम नहाबए जा रहल छी!
जया का अहर जाय, खाना ई करे!
उपये सैरा मे, टीना भी सार करे!

नानक, चिंता नहि करू, चिंता करू टीआईएस ओहने अछि!

अर्थ: शब्द एकटा एहन गीत अछि जे गुरुद्वारामे गाओल जाइत अछि। ई गीत अत्यधिक चिन्ता नहि करबाक सलाह दैत अछि किएक तँ अन्ततः सब किछु दिव्य इच्छासँ निर्धारित होइत अछि। भगवान पानि मे पौधा आ जीव के निर्माण केलखिन। ओ हुनका लोकनिकेँ सेहो पोषण दैत छथि। गुरु नानक अपन शिष्यसभसँ चिन्ता छोड़ि विश्वास रखबाक लेल कहैत छथि। नदी हो अथवा महासागर, ओहिमे रहनिहार जीव जीवित रहबामे सक्षम छथि, कियैक तँ ओ प्रकृतिक नियमक अनुसार जीबैत छथि। सर्वशक्तिमान सभ प्राणी के देखभाल करैत छथि।

© NCERT not to be republished

भजन — चर्चमे गाओल जाइत अछि

हमरा दीपक मे तेल दिअ, हम जरैत रही ।
हमरा दीपक मे तेल दिअ, हम प्रार्थना करैत छी जे हमरा
दीपक मे तेल दिअ, हमरा राखू
जड़ा रहल अछि
दिनक अन्त धरि हम जरैत रही , आउ आ होसाना गाउ
होसाना राजाक राजाकेँ होसाना गबैत छथि

अर्थ: ई गीत ईसाई भजन अछि। ई सर्वशक्तिमानक प्रति अपन आस्था आ भक्ति रखबाक लेल कहैत अछि। ई राजा सभक राजाक रूपमे यीशु मसीहक प्रशंसा आ आराधना करैत अछि।

एकटा सूफी गीत मो मीना मा

भाषा सीखू : फारसी

मोमा मा दूध लेके ऐ जिस्मशा माइ दूध लेकिन जाउ जुम्मा बातम जान हे शान

अर्थ: सूफी गीत सुनू आ सीखू।
'द फेथफुल आर वन सोल' मसनवीक एकटा कविता अछि, जे कुरानसँ प्रेरित आ जलाल उद-दीन मुहम्मद बल्खी द्वारा फारसीमे लिखल गेल उपाख्यान आ कथाक सङ्ग्रह अछि, जकरा रूमीक नामसँ सेहो जानल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

'द फेथफुल आर वन सोल' कविता हम सबके भीतर एक दिव्यताक बात करैत अछि। जखन हम अपन शारीरिक आवरणक बाधाकेँ हटा दैत छी तखन हमरासभकेँ एहसास होइत अछि जे हममे सँ प्रत्येक, आत्माकेँ प्रेरित करयवला जीवन शक्ति एक समान अछि।

भारतीय सङ्गीतक रूप

तेँ हमरासभकेँ कतेको तरहक भारतीय सङ्गीत सीखबामे मजा आयल - शास्त्रीय सङ्गीत, क्षेत्रीय सङ्गीत, भक्ति सङ्गीत आदि। हमसभ बुझैत छी जे विभिन्न क्षेत्रसँ गीत सीखब मात्र मजेदार नहि अछि अपितु अपन देशक विभिन्न राज्यक स्थानीय संस्कृति आ परम्पराकेँ बुझबामे सेहो सहायता करैत अछि। विभिन्न तरहक गीत चुनू आ ओकरा सीखू। एकरा कक्षा, सभा अथवा अपन मित्र आ परिवार मे प्रस्तुत करू।

© NCERT not to be republished